**भारत सरकार**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या: 2058**

**10 मार्च, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

**एम्स में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ के रिक्त पद**

**2058. #श्री रामजी लाल सुमन:**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देशभर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ के रिक्त पदों के कारण मरीजों को इलाज और ऑपरेशन के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ रहा है;

(ख) क्या मंत्रालय के पास ऐसा कोई आंकड़ा है जिससे यह पता चलता हो कि लंबे इंतजार के कारण मरीजों का ऑपरेशन निर्धारित तिथि पर नहीं हो पाई और उन्हें मजबूरन निजी अस्पतालों में अपना इलाज कराना पड़ा; और

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान एम्स में प्रतिवर्ष किडनी, लीवर और हृदय के कितने ऑपरेशन किए गए, तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री**

**(श्री प्रतापराव जाधव)**

(क) से (ग): "जन स्वास्थ्य और स्वच्छता, अस्पताल और औषधालय" एक राज्य विषय है और चिकित्सा अवसंरचना को सुदृढ़ करने का प्राथमिक उत्तरदायित्व संबंधित राज्य सरकारों का है। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) का उद्देश्य वहनीय/विश्वसनीय विशिष्ट स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करना और देश में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के लिए सुविधाकेंद्रों का विस्तार करना है। पदों का सृजन और भर्ती एक सतत प्रक्रिया है। रिक्त संकाय (डॉक्टर) और गैर-संकाय पदों को भरना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें उपयुक्त/पात्र/अर्हता प्राप्त डॉक्टरों/स्वास्थ्य पेशेवरों की उपलब्धता, आरक्षण रोस्टर, संस्थान का स्थान आदि शामिल हैं।

एम्स में रोगियों की प्रतीक्षा सूची रोगी की स्थिति, आवश्यक उपचार की तात्कालिकता और बिस्तर उपलब्धता को ध्यान में रखकर तैयार की जाती है। विशेषज्ञता/अतिविशेषज्ञता विभागों द्वारा रोगियों की चिकित्सीय स्थिति की प्रकृति, लक्षण और जटिलता के आधार पर गुर्दा, यकृत और हृदय से संबंधित विभिन्न प्रकार की मुख्य और गौण शल्यक्रियाएँ की जाती हैं।

*****